

11/4/21

पत्र
पत्र

पत्रवली पत्र इती वकील वती इत्येव
 नदीमसत वीवली से नद्य इति
 मित्र जने वल्लु सिद्धि प्राप्त इति मित्र
 म्बुसरी नदीमसत वीवली वी
 सिद्धि अनुसूत प्रथम के इवलेष
 अनुसूत के नयनय मित्र इत्येव
 के व जाड का ~~मि~~ मित्र, इत्येव
 मित्र जाने वी अनुसूत वी नदी
 वती ^{कार} ~~मि~~ मित्र इत्येव ^{कार}
 द्वारा इत्येव वी इत्येव



ख
म

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

पेश किया की कारुलाल को घर पर
बन्धन से देवनारायण के नाम से
पुकारा जाता है इसलिए राजस्व
रिवाइ में देवनारायण दर्ज हो गया
इतः उक्त गलत नाम को सही
किया जाना उचित है।

इतः गदडीलदार, बड़ीसादड़ी की
रिपोर्ट एवं प्रार्थी द्वारा पेश शपथ पत्र
के आधार पर वाद वादी स्वीकार
किया जाकर बड़ी का नाम देवनारायण
पिता उदयलाल के बजाय कारुलाल
पिता उदयलाल किया जानिका आदेश
दिया जाता है। निर्णय से राजलास
सुनाया गया। पशाबली फैसल सुनकर
होकर नम्बर से कम हों।

न्याय
बड़ीसादड़ी वि. निर्णय